ॐ॥ श्री गुरुचरण कमलेभ्यो नमः ॥卐॥

श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद

पुलिमामिडी गांव, कंदुकुरु मंडल, रंगारेड्डी जिला (तेलंगाणा)

पितृपक्ष पर्व

सोमवार, दि.08.09.2025 से रविवार, दि.21.09.2025 तक।

पितृदोष निवारणाय साधना

1) जिन साधकों के घरों मे किसी ने आत्महत्या की हो या दुर्घटनाओं मे वयस्क लोगोंकी मृत्यु हुई हो या अविवाहित लोग मरे है, वे लोग पितृ पक्ष मे नित्य रात्री मे पिपल वृक्ष के निचे **पंचमुखी हनुमान साबर यंत्र** के सामने **हनुमान स्तोत्र** का पाठ करने से सारे पितृ दोषों का निवारण होता है। साधना पश्चात यंत्र को पिपल वृक्ष के निचे छोड दे। ऐसा करने से पितरों की आत्म शान्ति होगी, पितृ दोष जायेगा।

हनुमान स्तोत्र

“ ॐ नमो हनुमते रुद्रावताराय वायु सुताय अन्जनी गर्भ सम्भुताय अखण्ड ब्रह्मचर्य व्रत पालन तत्पराय धवलीकृत जगत् त्रितयाया ज्वलदग्नि सूर्यकोटि समप्रभाय प्रकट पराक्रमाय आक्रान्त दिग् मण्डलाय यशोवितानाय यशोऽलंकृताय शोभिताननाय महा सामर्थ्याय महा तेज पुन्ज: विराजमानाय श्रीराम भक्ति तत्पराय श्रीराम लक्ष्मणानन्द कारकाय कपि सैन्य प्राकाराय सुग्रीव सौख्य कारणाय सुग्रीव साहाय्य कारणाय ब्रह्मास्त्र ब्रह्म शक्ति ग्रसनाय लक्ष्मण शक्ति भेद निबारणाय शल्यलिशल्योषधि समानयनान बोलोदित भानु मण्डल ग्रसनाय अक्षयकुमार छेदनाय वन रक्षाकर समुह विभन्जनाय द्रोण पर्वतोत्पाटनाय स्वामि वचन सम्पादितार्जुन संयुग संग्रामाय गम्भिर शब्दोदयाय दक्षिणाशा मार्तण्डाय मेरु पर्वत पीठिकार्चनाय दावानल कालाग्नी रुद्राय समुद्र लंघनाय सीताऽश्वसनाय सीता रक्षकाय राक्षसी संघ विदारणाय अशोकबन विदारणाय लंकापुरी दहनाय दशग्रीव शिर: कृन्तकाय कुम्भकर्णादि वध कारणाय बालि निबर्हण कारणाय मेघनाद होम विध्वंसनाय इन्द्रजीत वध कारणाय सर्व शास्त्र पारंगताय सर्व ग्रह विनाशकाय सर्व ज्वर हराय सर्व भय निवारणाय सर्व कष्ट निवारणाय सर्वापत्ति निवारणाय सर्व दुष्टादि निबर्हणाय सर्व शत्रुच्छेदनाय भूत प्रेत पिशाच डाकिनी शाकिनी ध्वंसकाय सर्व कार्य साधकाय प्राणिमात्र रक्षकाय रामदुताय स्वाहा ॥

2) जो लोग यह अनुभव करते है की उनके घर मे पितृ दोष है और वे पितृ श्राद्ध नही कर सकते वो लोग निम्न पितृ श्राद्ध रुपि तंत्र प्रयोग करके पितृ दोष निवारण पा सकते है।

प्रथम साधक **गरुड़ यंत्र** के सामने **विष्णु पन्जर स्तोत्र** का पाठ पितृ पक्ष मे नित्य करे और थोड़ासा अन्न पितरों के नाम से किसी सुनसान जगह पर रखकर आये। ऐसा नित्य नही कर सकते हो तो प्रतिपदा, अष्टमी एवं अमावस्या को करे और एक गरीब को जो शुद्ध हो, को अन्नदान करे, हो सके तो वस्त्र दान करे और दक्षिणा के साथ गरुड़ यंत्र भी उन्हे दे दे।

विष्णु पन्जर स्तोत्र

प्रवक्ष्याम्यधुना ह्येत द्वैष्णवं पञ्जरं शुभम्। नमो नमस्ते गोविन्द चक्रं गृह्य सुदर्शनम्॥
प्राच्यां रक्षस्व मां विष्णो ! त्वामहं शरणं गत:। गदां कौमोदकीं गृह्ण पद्मनाभ नमोऽस्तु ते॥
याम्यां रक्षस्व मां विष्णो ! त्वामहं शरणं गत:। हलमादाय सौनन्दे नमस्ते पुरुषोत्तम॥
प्रतीच्यां रक्ष मां विष्णो ! त्वामह शरणं गत:। मुसलं शातनं गृह्य पुण्डरीकाक्ष रक्ष माम्॥
उत्तरस्यां जगन्नाथ ! भवन्तं शरणं गत:। खड्गमादाय चर्माथ अस्त्र शस्त्रादिकं हरे !॥
नमस्ते रक्ष रक्षोघ्न ! ऐशान्यां शरणं गत:। पाञ्चजन्यं महाशङ्ख मनुघोष्यं च पङ्कजम्॥
प्रगृह्य रक्ष मां विष्णो आग्नेय्यां रक्ष सूकर। चन्द्र सूर्यं समागृह्य खड्गं चान्द्रमसं तथा॥
नैऋत्यां मां च रक्षस्व दिव्यमूर्ते नृकेसरिन्। वैजयन्तीं सम्प्रगृह्य श्रीवत्सं कण्ठ भूषणम्॥
वायव्यां रक्ष मां देव हयग्रीव नमोऽस्तु ते। वैनतेयं समारुह्य त्वन्तरिक्षे जनार्दन !॥
मां रक्षस्वाजित सदा नमस्तेऽस्त्व पराजित। विशालाक्षं समारुह्य रक्ष मां त्वं रसातले॥
अकूपार नमस्तुभ्यं महामीन नमोऽस्तु ते। करशीर्षाद्यङ्गुलीषु सत्य त्वं बाहु पञ्जरम्॥
कृत्वा रक्षस्व मां विष्णो नमस्ते पुरुषोत्तम। एतदुक्तं शङ्कराय वैष्णवं पञ्जरं महत्॥
पुरा रक्षार्थमीशान्या: कात्यायन्या वृषध्वज। नाशायामास सा येन चामरान्महिषासुरम्॥
दानवं रक्तबीजं च अन्यांश्च सुरकण्टकान्। एतज्जपन्नरो भक्त्या शत्रून्विजयते सदा॥

इति श्री विष्णु पञ्जर स्तोत्रं नाम सम्पूर्णम्॥

भवदीय

श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)